पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले थल सेनाध्यक्ष जनरल विपिन रावत

लखनऊ 18 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में थल सेनाध्यक्ष जनरल विपिन रावत ने शिष्टाचारिक भेंट की। राज्यपाल ने इस अवसर पर उनसे उत्तर प्रदेश में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं सैनिकों की विधवाओं को लेकर चर्चा की।

राज्यपाल ने सुझाव दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ईसीएचएस की सुविधा उपलब्ध करायी जानी चाहिए। इस संबंध में मिलिट्री हास्पिटल में इन्हें चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराये जाने पर विचार किया जाये। उन्होंने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिक/विधवाओं, जिनकी संख्या 3,744 है, को राज्य सरकार द्वारा फरवरी 2016 से रूपये 6 हजार प्रतिमाह अनुदान दिया जा रहा है।

श्री नाईक ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि के अध्यक्ष हैं। निधि पूर्व सैनिकों, शहीद की पत्नियों एवं उनके परिजनों को आर्थिक मदद देती है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2016-17 में निधि के कार्पस फण्ड हेतु रूपये 10 करोड़ आवंटित किया गया है। केन्द्रीय सैनिक बोर्ड पूर्व की भांति उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि को रूपये 10 करोड़ का अनुदान दिये जाने पर पुनः विचार करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं की संख्या 4,37,146 है जबकि सशस्त्र सेना के तीनों अंगों में उत्तर प्रदेश का अनुमानित योगदान 16 से 18 प्रतिशत है।

राज्यपाल ने कहा कि सैनिक पुनर्वास निधि को राज्य सरकार द्वारा कृषि प्रक्षेत्र अटारी में लगभग 1,342 एकड़ भूमि दी गयी थी। 260 एकड़ का उपयोग कृषि एवं उद्यानिकी के लिए प्रयोग किया जा रहा है किन्तु शेष पर बबूल का जंगल है। इस भूमि पर सेना का अस्थायी कैम्प, मैप रीडिंग एवं प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन किया जा सकता है जिससे प्रक्षेत्र की सम्पत्ति की सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि मध्य कमान, लखनऊ इस पर उचित निर्णय लेने हेतु विचार करें।

राज्यपाल ने सेनाध्यक्ष को पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' तथा 'राजभवन उत्तर प्रदेश के पक्षी' की प्रतियाँ भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (475/34)

चरैवेति! चरैवेति!!
राम नाईक